भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2013

बुधवार, 03 जुलाई, 2019 को उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष केन्द्र

2013. **श्री सैयद इम्तियाज ज़लील :**
श्रीमती पूनमबेन हेमतभाई माडम :
श्री असादुद्दीन ओवैसी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन देशों का वर्तमान में ब्यौरा क्या है जिनका खुद का अंतरिक्ष केन्द्र है;

(ख) क्या सरकार का आगामी सात वर्षों के अंदर खुद का अंतरिक्ष केन्द्र बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस प्रयोजनार्थ बजट अनुमान कितना है और क्या उक्त बजट को सरकार द्वारा मंजूरी प्रदान कर दी गई है;

(घ) क्या उक्त प्रयोजनार्थ किसी अन्य देश से सहयोग लेने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) उक्त अंतरिक्ष केंद्र से (प्राप्त होने वाले) संभावित लाभों का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या यह परियोजना 'गगनयान' कार्यक्रम का विस्तार होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) इस परियोजना में 'मेक इन इंडिया' पहल का किस सीमा तक योगदान मिलने की संभावना है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) वर्तमान में, 400 कि.मी. की ऊंचाई पर कक्षा में परिक्रमा करने वाला प्रचालनात्मक अंतरिक्ष केंद्र अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आई एस एस) है। आई एस एस को जो पांच अंतरिक्ष एजेंसियां प्रचालित करती हैं, वे हैं – नासा (संयुक्त राज्य), रासकॉसमॉस (रूस), सी एस ए (कनाडा), जाक्सा (जापान) और ई एस ए (बेल्जियम, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, नार्वे, स्पेन, स्वीडन, स्वीट्जरलैंड तथा यूनाइटेड किंगडम)।

(ख) अंतरिक्ष केंद्र मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का एक अभिन्न अवयव है, क्योंकि ये अंतरिक्ष में महत्वपूर्ण अनुसंधान आयोजित करने हेतु दीर्घकालिक मानव उपस्थिति की अनुमति प्रदान करते हैं। गगनयान के सफलतापूर्वक प्रचालनात्मक हो जाने के बाद भारत के अंतरिक्ष केंद्र की योजना एक दीर्घकालिक योजना है।

(ग) यह कार्यक्रम अत्यंत प्रारंभिक चरण में है।

(घ) विदेशी सहयोग के बारे में अभी निर्णय नहीं लिया गया है।

(ङ) अंतरिक्ष केंद्र एक अनुसंधान मंच प्रदान करेगा, जिसकी तुलना पृथ्वी पर स्थापित केंद्र से नहीं की जा सकती है। मानव स्वास्थ्य, टेली मेडिसिन, टीका विकास, सामग्री विकास, आपदा सहायता, प्रभावी कृषि तकनीक, खाद्य एवं जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तकनीक, पर्यावरणीय अनुसंधान और युवाओं को प्रेरित करने वाले शैक्षिक कार्यक्रम जैसे क्षेत्रों में लाभ प्राप्त होने की संभावना है।

(च) जी हां, अंतरिक्ष केंद्र गगनयान कार्यक्रम का एक विस्तार है। गगनयान के लिए विकसित जी एस एल वी मार्क III के मानव अनुकूलित प्रारूप, कर्मीदल को ले जाने हेतु कक्षीय मॉड्यूल, जीवन रक्षक प्रणाली इत्यादि जैसी प्रौद्योगिकियों का अंतरिक्ष केंद्र कार्यक्रम हेतु उपयोग किया जाएगा। अंतरिक्ष केंद्र का डिजाइन लगभग 20 टन भार वाले प्रारंभिक मॉड्यूलों सहित मॉडुलर रचना होगी और तीन कर्मीदल सदस्यों के लिए इसमें विस्तारित अवधि तक ठहरने का प्रावधान होगा।

(छ) जिस प्रकार उड़ान और भू-प्रणालियों की प्राप्ति हेतु गगनयान कार्यक्रम में 650 से अधिक उद्योगों की भागीदारी है, "मेक-इन-इंडिया" पहल सामग्रियों की प्राप्ति, उड्डयनिकी, संविरचन, परीक्षण तथा उडाऩ प्रणालियों के समेकन में अंतरिक्ष केंद्र कार्यक्रम की सफलता के लिए एक प्रमुख प्रेरक होगा।

***